दैनिक भास्कर
CHANDIGARH

City Life

dainikbhaskar.com

SUNDAY, 24 NOVEMBER, 2013

City Plus
ये कमरा श्री श्री रविशंकर के लिए
page 5

बात कश्मीर से लेकर कृष्ण तक की

WRITERS TALK

चंडीगढ़ पहुंचे राहुल पंडिता ने कश्मीर को लेकर अपनी किताब पर खुलकर चर्चा की

• सिटी रिपोर्टर चंडीगढ़

अभी मैं एक बुक के पब्लिकेशन में उलझा हुआ था। इसलिए कुछ नया नहीं कर पाया। पब्लिकेशन के बाद बुक की प्रमोशन के लिए देश-विदेश में काफी जगह जाना पड़ा। कंटेंट को लोगों तक पहुंचाने के लिए बुक प्रमोशन भी जरूरी है। यह कहना है जर्नलिस्ट और राइटर राहुल पंडिता का। वे लिट फेस्ट-2013 में हिस्सा लेने शहर आए हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपने एक्सपीरियंस शेयर किए।

उन्होंने बताया कि मेरी किताब 'अवर मून हैज ब्लड क्लॉट्स' कश्मीरी पंडितों पर केंद्रित है। इसमें उनके दर्द को बयां करने की कोशिश की है। जहां विस्थापन के 28 साल बाद भी शासन की ओर से कोई पहल नहीं हुई है। यह 1990 में कश्मीर में हुई आतंकी दहशत को परत दर परत खोलता है। वहीं किताब 'हैलो बस्तर' नक्सली मूवमेंट की कहानी को बयां करती है। इसमें नक्सली आंदोलन के मकसद, और ऐसी कई कहानियां हैं, जो आम लोगों की नजर में नहीं आ सकीं।

लगता है खुद की कहानी लिख रहा हूं: नक्सलवाद, आतंकवाद जैसे मुद्दों पर लिखना मुझे पसंद है। इन मुद्दों पर लिखते समय लगता है कि मैं खुद की कहानी लिख रहा हूं। मैं खुद कश्मीरी पंडित हूं। मैंने आंतक के मंजर देखे हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की रिपोर्टिंग के दौरान कई पहलू मेरे सामने आए। उन सभी पहलुओं को अखबार में लिख पाना मुश्किल था। अखबारों, मैग्ज़ीन में लिखते समय आपके पास जगह की कमी होती है। ऐसे में कई पहलू पाठक तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में उन तथ्यों को किताब के रूप में पेश करने से पाठक तक उसकी पूरी जानकारी पहुंच जाती है।

इतिहास भविष्य बनाता है

भारत में पढ़ने वालों की संख्या काफी कम हैं। ऐसे में नए पाठक को खोजना काफी मुश्किल हो जाता है। मेरा मानना है जब तक देश का यूथ अपने इतिहास को नहीं समझेगा, तब तक उसका भविष्य बेहतर नहीं हो सकता। वहीं इस तरह के ज्वलंत मुद्दे कई मायनों में उनका विकास करते हैं। खुशी की बात ये अब यूथ रीडर इस तरह का कंटेंट पढ़ने में रूचि दिखाने लगा है। वहीं यूथ की रूचि बढ़ाने के लिए किताबों को बहुत सहज भाषा में लिखने की कोशिश करता हूं।

फिर जाऊंगा नक्सल प्रभावित क्षेत्र

काम के चलते लंबे समय से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जाना नहीं हुआ। दिसंबर में फिर से इन क्षेत्रों में जाऊंगा। इससे पाठकों को उन क्षेत्रों की दशा के बारे में और विस्तार से बता सकूं।

वे कहते थे बुक रीडिंग नहीं बुक कीपिंग करो

लिटरेरी फेस्ट का हिस्सा बनने शहर पहुंचे राइटर अश्विनी सांघी से एक खास मुलाकात

'15 साल की उम्र में ही अपने फैमिली बिजनेस से जुड़ गया। पढ़ने का शौक था। इसलिए जब भी मैं काम पर जाता, मेरे एक हाथ में बुक जरूर होती। मुनीम जी मुझे देखकर अक्सर कहते थे बुक रीडिंग करने से कुछ हासिल नहीं होगा। बुक कीपिंग करो। अकाउंट्स को जानो, बैलेंस-शीट देखो।' यह कहना था मशहूर राइटर अश्विनी सांघी का। वे शहर में शुरू हुए चंडीगढ़ लिटरेरी सोसाइटी 2013 फेस्ट में शामिल होने पहुंचे। शनिवार को सेक्टर-35, होटल जेडब्ल्यू मैरिएट में उनसे एक खास मुलाकात हुई, जहां उन्होंने अपनी लाइफ से जुड़ी कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। अश्विनी बताते हैं,'मैं मुंबई से हूं। पिता राजस्थान से और मां कानपुर से। पिता बिजनेस इंडस्ट्री से जुड़े थे। उनकी मदद हो जाएगी यह सोचकर मैंने भी उनका बिजनेस ज्वाइन कर लिया। मेरे नाना को बुक्स का बहुत शौक था। उन्होंने मुझे हमेशा रीडिंग के लिए इंस्पायर किया। मुझे हर सोमवार एक बुक भेजनी शुरू की और उस पर फीडबैक भी मांगे कहते थे, हर सोमवार को बुक पढ़कर मुझे चिट्ठी लिखना। कहानी से लेकर उसमें मौजूद अच्छी-बुरी चीजों और क्या समझ में नहीं आया, यह बताना। यह प्रोसेस 14 साल तक चला। लिटरेचर में मेरी रुचि बढ़ती चली गई। उनकी दी हुई करीब 500 किताबें पढ़ीं, जिन्हें आज भी मैंने संभालकर रखा है। नाना जी के गुजरने के बाद यह लिंक टूट गया। पढ़ने की आदत बन गई थी। पर कभी सोचा नहीं था कि लिखना शुरू कर पाऊंगा।'

इन दिनों... मशहूर अमेरिकन राइटर जेम्स पीटरसन के साथ इंडियन हिस्ट्री पर थ्रिलर 'प्राइवेट इंडिया' लिख रहे हैं। इसकी कहानी पूरी लिखी जा चुकी है। सिर्फ एडिटिंग पर काम होना बाकी है। मई 2014 तक यह लॉन्च हो जाएगी।

अश्विनी कहते हैं, '2004 में श्रीनगर गया और रोजा बल मकबरा देखा। उसकी कई दिलचस्प कहानियां सुनीं। कुछ इसे 14वीं सदी के पीर का स्थान बताते थे तो कुछ इसे यशू के येरुसलम से पैदल चलकर कश्मीर आने का स्थान बताते थे। ऐसी ढेरों कहानियां सुनीं जिन्होंने पूरा दिमाग घुमा दिया। डेढ़ साल तक भटकता रहा। ऐतिहासिक चीजों को करीब से देखा। दर्जनों काल्पनिक कहानियां पढ़ी। फिर उन सभी को एक मोती की माला में पिरोते हुए वास्तविकता में बदला। 2008 में 'रोजाबल' अंग्रेजी में लॉन्च की। इसे लोगों ने खूब सराहा। 2009 में इलेक्शन का माहौल देखा। इस मॉडर्न पॉलिटिक्स को 300 साल पहले की चाणक्य नीतियों से जोड़कर बुक लिखी, जोकि 2010 में आई।'

अश्विनी ने बताया, 'मैं यह जान गया था कि ज्यादा पढ़ने से चीजों को बेहतर जान सकते हैं। फिर एक थ्रिलर स्टोरी कृष्णा लिखी, जो 2012 में आई। इसमें दिखाया कि एक सीरियल किलर कृष्ण के समय यानि 500 साल से भी पुरानी एक अनमोल वस्तु खोजने में लगा हुआ है। इस थ्रिलर को पूरी महाभारत से जोड़ते हुए 108 चैप्टर्स में बांटा। इस बुक का हिंदी अनुवाद कृष्ण कुंजी अभी मार्केट में आया है।'

LIT FEST

लिटफेस्ट-लिटरारी 2013 का दूसरा व अंतिम दिन

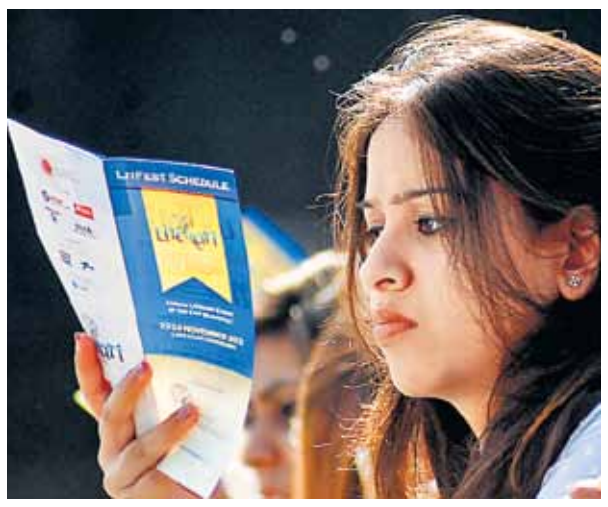

शहर में लिटफेस्ट-लिटरारी 2013 का आज आखिरी दिन है। चंडीगढ़ लेक क्लब में फेस्ट के अंतिम दिन यंग ऑथर्स के अलावा देशभर से आने वाले अलग- अलग जॉनर के लेखक भी शामिल होंगे।

आज के प्रोग्राम्स का शेड्यूल

▪ **समय: 10.30 से 11.30 मेन लॉन सेशन- 8ए में**
कृष्णा शास्त्री देवुलापल्ली, जय अर्जुन सिंह, विवेक अत्रे के साथ खुशवंत गिल। हॉल के अंदर सेशन-8बी अशोक वाजपेयी के साथ डा. वीरेंद्र मेंहदीरत्ता।

▪ **समय: 11.30 से 12.30 मेन लॉन में सेशन 9 ए में**
किश्वर देसाई, गुल पनाग, टिशा खोसला, वी.सुदर्शन, सुमिता मिश्रा के साथ विवेक अत्रे। इसी दौरान हॉल के अंदर सेशन 9 बी में इरशाद कामिल के साथ गुरमीत सिंह।

▪ **समय:12.30 से 1.30 मेन लॉन में सेशन 10 ए में**
भास्कर घोष, विजय वर्धन, सुमिता मिश्रा, जनरल वी.पी मलिक के साथ सगुणा जैन। हॉल के अंदर सेशन 10 बी में ज्ञान प्रकाश, मंजुला राणा, बुब्बु तीर मनमोहन सिंह के साथ माधव कौशिक।

▪ **समय: 2.15 से 3.45 मेन लॉन में सेशन 11 ए में**
एचएस राणा, चंद्र शेखर वर्मा, मनीष शुक्ला, शशि प्रभा अत्री, पैम हांडा, एंजिलि दियोधर के साथ माधव कौशिक। हॉल के अंदर सेशन 11 बी में मंजू कपूर, राहुल पंडिता, निरुपमा दत्त के साथ वंदना शुक्ला।

▪ **समय: 3.45 से 4.00 मेन लॉन में सेशन 12 में**
मनीषा गंगाहर की बुक रिलीज।

▪ **समय: 4.00 से 4.15**
कश्मीरी लाल जाकीर की बुक रिलीज।

▪ **समय: 4.15 से 5.15 मेन लॉन में सेशन 13 में**
अश्विन सांघी के साथ अराधिका शर्मा

▪ **5.15 से 5.45 क्लोजिंग सेशन**

TODAY'S EVENT

डांस प्रोग्राम

सबरंग-2013

श्री साईं आर्ट्स की ओर से डांस समारोह सबरंग-2013 ऑर्गनाइज किया जाएगा। इस कार्यक्रम के निदेशक जतिंदर किनरा हैं। चीफ गेस्ट भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक दीपक राय सैली होंगे।
कहां: बाल भवन, सेक्टर-23
कब: सुबह 11 बजे से

फूड फेस्ट

हैंड क्राफ्टेड पास्ता फेस्ट

सेक्टर 26 के द प्युटर रूम में हैंड क्राफ्टेड पास्ता फेस्ट शुरू हुआ है, जिसमें पास्ता की डिफरेंट वैरायटी उपलब्ध है। यह फेस्ट 20 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा।
कहां: द प्युटर रूम, सेक्टर 26
कब: दोपहर 12 से 4 शाम 7 से 12